भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
औषध विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3399
दिनांक 08 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

गोरखपुर में जन-औषधि केंद्र

3399. श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशनः

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में कितने जन औषधि केंद्र कार्यरत हैं;

(ख) गोरखपुर में जन औषधि केंद्रों के माध्यम से आपूर्ति की जाने वाली किफायती दवाओं की श्रेणी और मात्रा कितनी है;

(ग) उक्त जिले में जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता के बारे में कौन से जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं; और

(घ) उक्त जिले में मरीजों द्वारा स्वयं किए जाने वाले व्यय पर इस योजना का क्या प्रभाव है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री (श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अंतर्गत, दिनांक 30.6.2025 तक देश भर में कुल 16,912 जन औषधि केंद्र (जेएके) खोले जा चुके हैं, जिनमें से 3,550 जेएके उत्तर प्रदेश राज्य में खोले गए हैं, जिनमें गोरखपुर जिले में 152 केंद्र शामिल हैं।

(ख): योजना के उत्पाद समूह में 2,110 दवाइयाँ और 315 सर्जिकल, चिकित्सा उपभोग्य वस्तुएँ और उपकरण उपलब्ध हैं, जिनमें सभी प्रमुख चिकित्सीय समूह जैसे हृदयवाहिका संबंधी, कैंसर-रोधी, मधुमेह-रोधी, संक्रमण-रोधी, एलर्जी-रोधी और गैस्ट्रोइन्टैस्टाइनल संबंधी दवाइयाँ और न्यूट्रास्युटिकल्स शामिल हैं, जिनकी आपूर्ति गोरखपुर जिले सहित देश भर में जेएके के माध्यम से की जाती है।

(ग): इस योजना के बारे में जागरूकता का सृजन करने तथा गोरखपुर जिले सहित पूरे देश में जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता के बारे में जागरूकता सृजित करने के लिए इस योजना की कार्यान्वयन एजेन्सी भारतीय औषधि एवं चिकित्सा उपकरण ब्यूरो नियमित रूप से निम्नलिखित कार्यकलापों का संचालन करती है:

(i) विभिन्न माध्यमों जैसे प्रिंट मीडिया, रेडियो, टेलीविजन, मोबाइल एप्लीकेशन, सिनेमा, होर्डिंग्स, बस क्यू शेल्टरों और बसों की ब्रांडिंग, ऑटो रैपिंग और सामान्य सेवा केन्द्रों पर टीवी स्क्रीन से विज्ञापन जारी करना;
(ii) सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से आउटरीच कार्यकलाप; तथा
(iii) प्रति वर्ष 7 मार्च को जन औषधि दिवस मनाया जाना।

(घ): इस योजना के तहत, पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान अर्थात् वित्तीय वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2024-25 तक उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में खोले गए जेएके के माध्यम से 30.55 करोड़ रुपये के मूल्य की दवाओं की बिक्री की गई है, जिसके परिणामस्वरूप उक्त जिले में रोगियों को होने वाले जेब खर्च में लगभग 150 करोड़ रुपये की अनुमानित बचत हुई है।

*****